नाम..... मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 10

अनुक्रमांक.....

102 **302 (FN)**

2024

साहित्यिक हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट: प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों - खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।

ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(खण्ड-क)

1. (क) 'अथातो घुमक्कड़-जिज्ञासा' के लेखक : 1

(i) अध्यापक पूर्ण सिंह (ii) राहुल सांकृत्यायन

(iii) रायकृष्ण दास (iv) 'अज्ञेय'

(ख) 'कला और संस्कृति' इनमें से किस विधा की रचना है ? 1

(i) आलोचना (ii) निबन्ध

(iii) नाटक (iv) कहानी

(ग) राष्ट्र जीवन की दिशा' कृति के रचनाकार हैं : 1

(i) पं. दीनदयाल उपाध्याय (ii) वासुदेवशरण अग्रवालगा

(iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (iv) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(घ) माघ का कथन– 'क्षणे क्षणे यन्नवतामुपैति तदेव रूपं रमणीयतायाः' – इनमें से किस निबन्ध में - उद्धृत है? 1

(i) 'राष्ट्र का स्वरूप' (iii) 'भाषा और पुरुषार्थ'

(ii) 'अशोक के फूल' (iv) 'भाषा और आधुनिकता'

(ङ) तपती पगडंडियों पर पद यात्रा' आत्मकथा है: 1

(i) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की (iii) पं. दीनदयाल उपाध्याय की

(iv) जैनेन्द्र कुमार की (ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' की

(क) 'सुमन राजे' की कविताएँ किस 'सप्तक' में संकलित हैं ? 1

(i) 'दूसरा सप्तक' में (ii) 'तीसरा सप्तक' में

(iii) 'चौथा सप्तक' में (iv) 'तारसप्तक' में

(ख) इनमें से जगन्नाथदास 'रत्नाकर' की कृति नहीं है : 1

(i) 'समालोचनादर्श' (ii) 'अनामिका'

(iii) 'वीराष्टक' (iv) 'गन्धवीथी'

(ग) सुमित्रानन्दन पन्त को 'साहित्य अकादमी' पुरस्कार मिला था : 1

(i) 'लोकायतन' पर (ii) 'कला और बूढ़ा चाँद' पर

(iii) 'चिदम्बरा' पर (iv) 'ग्राम्या' पर

(घ) इनमें से कौन-सी काव्यकृति रामधारी सिंह 'दिनकर' की है ? 1

(i) 'चक्रवाल' (ii) 'श्रृंगारलहरी'

(iii) 'रश्मिबंध' (iv) 'अधखिला फूल'

(ङ) 'धर्म तथा ईश्वर के प्रति अनास्था' आधुनिक काल के किस युग की प्रवृत्ति है? 1

(i) छायावाद-युग की (ii) प्रगतिवाद-युग की

(iii) प्रयोगवाद-युग की (iv) नयी कविता-काल की

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

प्रकृत यह है कि बहुत पुराने जमाने में आर्य लोगों को अनेक जातियों से निपटना पड़ा था । जो गर्वीली थीं, हार मानने को प्रस्तुत नहीं थीं, परवर्ती साहित्य में उनका स्मरण घृणा के साथ किया गया और जो सहज ही मित्र बन गयीं, उनके प्रति अवज्ञा और उपेक्षा का भाव नहीं रहा । असुर, राक्षस, दानव और दैत्य पहली श्रेणी में तथा यक्ष, गन्धर्व, किन्नर, सिद्ध, विद्याधर, वानर, भालू आदि दूसरी श्रेणी में आते हैं । परवर्ती हिन्दू-समाज इन सबको बड़ी अद्भुत शक्तियों का आश्रय मानता है, सबमें देवता-बुद्धि का पोषण करता है । अशोक-वृक्ष की पूजा इन्हीं गन्धर्वों और यक्षों की देन है । प्राचीन साहित्य में इस वृक्ष की पूजा के उत्सवों का बड़ा सरस वर्णन मिलता है । असल पूजा अशोक की नहीं, बल्कि उसके अधिष्ठाता कंदर्प-देवता की होती थी । इसे 'मदनोत्सव' कहते थे । महाराज भोज के 'सरस्वती-कंठाभरण' से जान पड़ता है कि यह उत्सव त्रयोदशी के दिन होता था ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और उसके लेखक का नाम लिखिए ।

(ख) परवर्ती साहित्य में किसका स्मरण घृणा के साथ किया गया है?

(ग) अशोक-वृक्ष की पूजा किसकी देन है?

(घ) 'प्रकृत' तथा 'कंदर्प' शब्दों का अर्थ लिखिए।

(ङ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

मैंने भावना से अभिभूत हो सोचा- जो बिना प्रसव किए ही माँ बन सकती है, वही तीस रुपये मासिक के योगक्षेम पर बीस वर्ष के दिन और रात सेवा में लगा सकती है और वही पीड़ितों के तड़पते जीवन में हँसी बिखेर सकती है। तीसरे पहर का समय, थर्मामीटर हाथ में लिए यह आयीं मदर टेरेसा और उनके साथ एक नवयुवती, उसी विशिष्ट धवल वेष में, गौर और आकर्षक । हाँ, गौर और आकर्षक, पर उसके स्वरूप का चित्रण करने में ये दोनों ही शब्द असफल । यों कहकर उसके आस-पास आ पाऊँगा कि शायद चाँदनी को दूध में घोलकर ब्रह्मा ने उसका निर्माण किया हो । रूप और स्वरूप का एक दैवी साँचा-सी वह लड़की । नाम उसका क्रिस्ट हेल्ड और जन्मभूमि जर्मनी । फ्रांस की पुत्री मदर टेरेसा और जर्मनी की दुहिता क्रिस्ट हेल्ड, एक रूप, एक ध्येय, एक रस ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और उसके लेखक का नाम लिखिए ।

(ख) नवयुवती का क्या नाम था? उसकी जन्मभूमि कहाँ थी ?

(ग) नवयुवती की वेशभूषा और रूपरंग के सम्बन्ध में लेखक का क्या विचार है?

(घ) 'अभिभूत' और 'दुहिता' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

(ङ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

4.दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

यह मनुज, ब्रह्माण्ड का सबसे सुरम्य प्रकाश,
कुछ छिपा सकते न जिससे भूमि या आकाश ।
यह मनुज जिसकी शिखा उद्दाम,
कर रहे जिसको चराचर भक्तियुक्त प्रणाम ।
यह मनुज, जो सृष्टि का श्रृंगार,
ज्ञान का, विज्ञान का, आलोक का आगार ।
'व्योम से पाताल तक सब कुछ इसे है क्षेय'
पर न यह परिचय मनुज का, यह न उसका श्रेय ।
श्रेय उसका, बुद्धि पर चैतन्य उस की जीत;

श्रेय मानव की असीमित मानवों से प्रीत ।

(क) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और उसके रचयिता का नाम लिखिए।

(ख) मनुष्य की क्या विशेषता है ?

(ग) मनुष्य का श्रेय क्या है ?

(घ) 'सुरम्य' और 'आगार' शब्दों का अर्थ लिखिए ।

(ङ) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

छायाएँ मानव-जन की
दिशाहीन
सब ओर पड़ीं वह सूरज
नहीं उगा था पूरब में, वह
बरसा सहसा
बीचों-बीच नगर के;
काल- सूर्य के रथ के
पहियों के ज्यों अरे टूट कर
बिखर गए हों, दसों दिशा में
कुछ क्षण का वह उदय अस्त ।
केवल एक प्रज्वलित क्षण की
दृश्य सोख लेनेवाली दोपहरी ।

(i) वह सूर्य किस दिशा में उदित हुआ था ?

(ii) दस दिशाएँ कौन-कौन सी हैं ?

(iii) 'काल- सूर्य के रथ' में कौन-सा अलंकार है ?

(iv) रेखांकित अंशों का भावार्थ लिखिए।

(v) पाठ और उसके रचयिता का नाम लिखिए।

5.(क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

(i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ii) हरिशंकर परसाई

(iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

(i) मैथिलीशरण गुप्त

(ii) सुमित्रानन्दन पन्त

(iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'।

6. 'बहादुर' अथवा 'पंचलाइट' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'लाटी' अथवा 'कर्मनाशा की हार' कहानी की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5

(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

(i) 'श्रवणकुमार', खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए |

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(iii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

(iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्द्धन का चरित्र चित्रण कीजिए ।

(v) 'आलोकवृत्त' की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य का नायक कौन है? उसके चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

(vi) 'संत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'द्रौपदी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।

(खण्ड - ख)

8.(क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए: 2+5=7

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षिव्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः अन्ये च भास भारवि भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरत्नैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितुं शक्यन्ते । इयं संस्कृत भाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति ।

अथवा

हिन्दी-संस्कृताङ्ग्लभाषासु अस्य समानः अधिकारः आसीत् । हिन्दी-हिन्दु-हिन्दुस्थानानामुत्थानाय अयं निरंतर प्रयत्नमकरोत्। शिक्षायैव देशे समाजे च नवीनः प्रकाशः उदेति अतः श्रीमालवीयः वाराणस्यां काशीविश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत् । अस्य निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन्, तेन निर्मितोऽयं विशालः विश्वविद्यालयः भारतीयानां दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः च प्रतिमूर्तिरिव विभाति ।

(ख) दिये गये पद्यांशों/श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

न चौरहार्यं न च राजहार्यं न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि ।
व्यये कृते वर्द्धत एव नित्यं विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम् । ।

अथवा

अर्द्ध दानववैरिणा गिरिजयाप्यर्द्ध शिवस्याहृतम् ।
देवेत्थं जगतीतले पुरहराभावे समुन्मीलति ।।
गङ्गा सागरमम्बरं शशिकला नागाधिपः क्ष्मातलम् ।
सर्वज्ञत्वमधीश्वरत्वमगमत् त्वां मां तु भिक्षाटनम् ।।

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए -

(i) भोजः कविम् किम् अपृच्छत्?

(ii) संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः कः अस्तिः?

(iii) काकः कथमुलूकस्य विरोधम करोति ?

(iv) महर्षेः दयानंदस्य गुरुः कः आसीत्:

10. (क) 'करुण रस' अथवा 'श्रृंगार रस' का स्थायी भाव के साथ उसकी परिभाषा अथवा उदाहरण लिखिए। 1+1=2

(ख) 'श्लेष', 'भ्रान्तिमान' अथवा 'उत्प्रेक्षा' में से किसी एक अलंकार की परिभाषा लक्षण और उदाहरण लिखिए। 1+1=2

(ग) 'रोला' अथवा 'दोहा' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 1+1=2

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9

(i) शिक्षित युवावर्ग और बेरोजगारी की समस्या ।

(ii) भारतीय किसान : समस्या और समाधान ।

(iii) वर्षा ऋतु का महत्त्व ।

(iv) स्वदेश प्रेम ।

(v) विज्ञान : वरदान या अभिशाप ।

12. (क) (i) 'नयनम्' का सन्धि-विच्छेद होगा-

(अ) ने + अनम्, (ब) नय + नम्,

(स) नै + अनम्, (द) नय् + अनम्।

(ii) 'भावुकः' का सन्धि-विच्छेद होगा-

(अ) भौ + आवुकः, (ब) भौ + उकः,

(स) भा + उकः, (द) भा + वुकः ।

(iii) 'लब्धम्' का सन्धि-विच्छेद होगा-

(अ) लव् + धम्, (ब) लप् + धम्,

(स) लभ् + धम्, (द) लब्ध + अम्।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक का विग्रह करके समास का नाम लिखिए

(अ) 'महाजन'

(ब) 'अनुरूपम्'

(स) लम्बोदरः

13. शिक्षा विभाग के निदेशक के नाम लिपिक पद हेतु एक आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा

अपना दुग्ध डेअरी फॉर्म प्रारंभ करने हेतु किसी बैंक के प्रबंधक को ऋण प्रदान करने हेतु एक पत्र लिखिए।

14. (क) (i)निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिये।

(अ) 'कृत्वा'

(ब) दृष्ट्वा

(स) 'नीतः'

(ii) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का प्रत्यय लिखिए।

(अ) प्रभुत्तम्

(ब) धीमत्

(स) लघुता

(ख) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा उससे सम्बंधित नियम का उल्लेख कीजिये -

(i) <u>विद्यालयं</u> परितः उद्यानम् अस्ति ।

(ii) <u>अग्नेय</u> स्वहा ।

(iii) <u>विष्णवे</u> नमः ।

*****